भारतीय रेल : महत्वपूर्ण तथ्य एवं आंकड़े

संगठन व्यवस्था

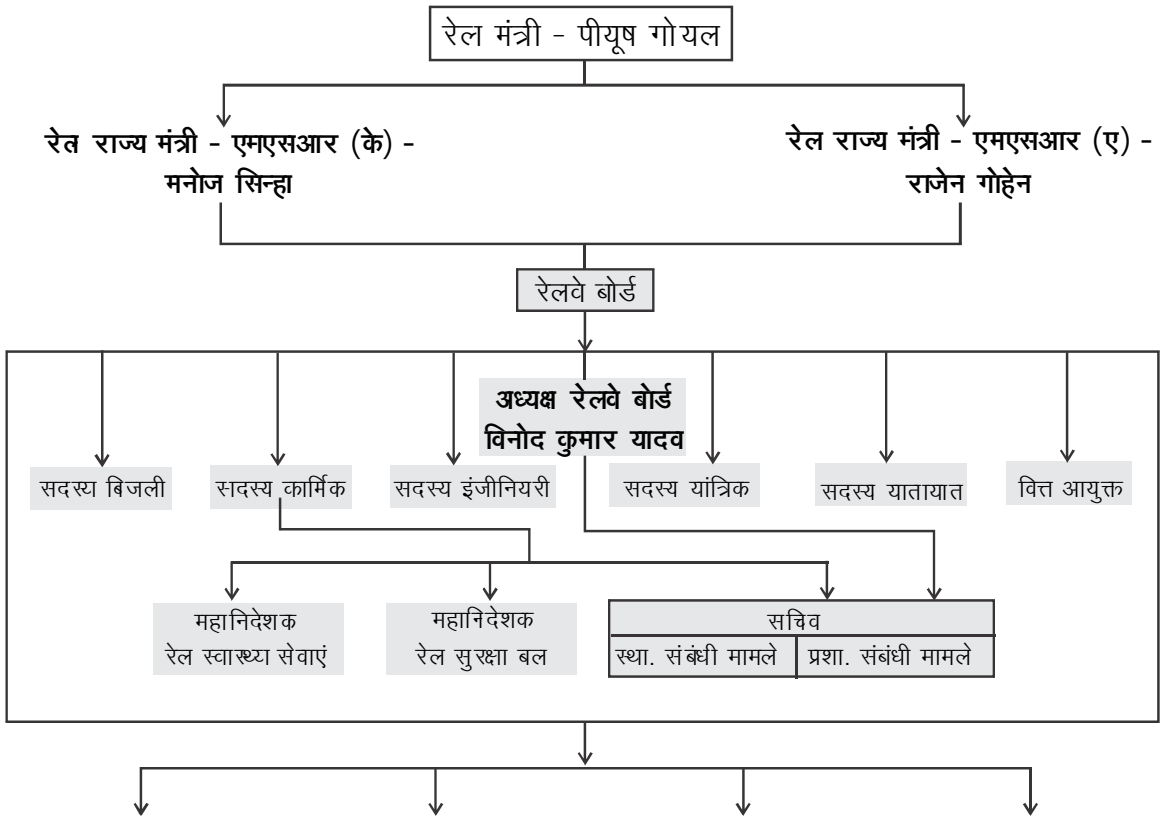

क्षेत्रीय रेलें (ओपन लाइन)	उत्पादन इकाइयां	अन्य इकाइयां	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम/निगम, आदि
महाप्रबंधक	महाप्रबंधक	महाप्रबंधक	बी.सी.एल.
मध्य	चितरंजन रेल इंजन कारखाना	केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन	बी.एस.सी.एल.
पूर्व	डीजल रेल इंजन कारखाना	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण)	बी. डब्ल्यू. ई. एल.
पूर्व-मध्य	सवारी डिब्बा कारखाना	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (रेलें)	कॉनकोर
पूर्व तट	रेल डिब्बा कारखाना	केंद्रीय कारखाना	क्रिस
मेट्रो रेलवे कोलकाता	रेल पहिया कारखाना	आधुनिकीकरण संगठन	डी.एफ.सी.सी.आई.एल.
उत्तर	अत्याधुनिक डिब्बा कारखाना	भारतीय रेल परियोजना प्रबंधन इकाई (आईआरपीएसयू)	इरकॉन
उत्तर-मध्य	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (रेलें)	भारतीय रेल वैकल्पिक ईंधन संगठन (आईआरओएएफ)	आई.आर.सी.टी.सी.
पूर्वोत्तर	डीजल रेल इंजन आधुनिकीकरण कारखाना	महानिदेशक	आई.आर.एफ.सी.
पूर्वोत्तर सीमा		रेलवे स्टाफ कॉलेज	के.आर.सी.एल.
उत्तर-पश्चिम		महानिदेशक एवं पदेन महाप्रबंधक	एम.आर.वी.सी.
दक्षिण		अ.अ.मा.सं.	आर.सी.आई.एल.
दक्षिण-मध्य			राइट्स
दक्षिण-पूर्व			आर.एल.डी.ए.
दक्षिण-पूर्व-मध्य			आर.वी.एन.एल.
दक्षिण-पश्चिम			
पश्चिम			
पश्चिम-मध्य			

❑ रेलवे

☞ भारत में रेलवे, यात्री परिवहन और माल ढुलाई का एक प्रमुख साधन है।

☞ पहली रेलगाड़ी 1853 ई. में बंबई से थाणे के बीच चली थी।

☞ बंबई को थाणे, कल्याण और थाल तथा भोर घाटों से जोड़ने का विचार सर्वप्रथम बंबई गवर्नमेंट के चीफ इंजीनियर जॉर्ज क्लार्क ने दिया था।

☞ 18 अप्रैल, 1853 को 14 सवारी डिब्बों वाली रेलगाड़ी बोरीबंदर से रवाना हुई।

☞ प्रथम यात्री गाड़ी 15 अगस्त, 1854 को हावड़ा से हुगली स्टेशनों के मध्य चलाई गई, जिससे ईस्ट इंडियन रेलवे का पहला सेक्शन यात्री यातायात के लिए आरंभ हुआ।

☞ दक्षिण में पहली रेल लाइन 1 जुलाई, 1856 को मद्रास रेलवे कंपनी ने आरंभ की।

☞ इस लाइन पर वयासरपांडी और वालाजाह रोड (आर्कोट) के बीच पहली रेलगाड़ी चली।

☞ उत्तर में 3 मार्च, 1859 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) से कानपुर के बीच पहली रेल लाइन बिछाई गई।

☞ 19 नवंबर, 1875 को हाथरस रोड और मथुरा कैंटोन्मेंट के मध्य यातायात के लिए पहला सेक्शन खोला गया।

☞ भारतीय रेलवे देश का प्रमुख यातायात संगठन है, जो एशिया का सबसे बड़ा और एक प्रणाली प्रबंधन के अधीन विश्व का दूसरा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क है।

भारत के रेल मंडल एवं मुख्यालय	
1. उत्तर रेलवे	- नई दिल्ली
2. दक्षिण रेलवे	- चेन्नई
3. मध्य रेलवे	- मुंबई (C.S.T.)
4. दक्षिण-पूर्व रेलवे	- गॉर्डनरीच, कोलकाता
5. पूर्व रेलवे	- कोलकाता
6. पूर्व-मध्य रेलवे	- हाजीपुर
7. उत्तर-मध्य रेलवे	- इलाहाबाद (अब प्रयागराज)
8. उत्तर-पूर्व रेलवे	- गोरखपुर
9. नार्थ फ्रांटियर रेलवे	- मालेगांव (गुवाहाटी)
10. उत्तर-पश्चिम रेलवे	- जयपुर
11. दक्षिण-मध्य रेलवे	- सिकंदराबाद
12. दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे	- बिलासपुर
13. दक्षिण-पश्चिम रेलवे	- हुबली
14. पश्चिम रेलवे	- चर्चगेट (मुंबई सेंट्रल)
15. पश्चिम-मध्य रेलवे	- जबलपुर
16. पूर्वी तट रेलवे	- भुवनेश्वर

☞ केवल 34 किलोमीटर की दूरी तय करने से शुरू हुई भारतीय रेलवे की यात्रा का दायरा अब 67,368 किलोमीटर तक पहुंच गया है।

☞ इसमें 7,349 स्टेशनों का व्यापक नेटवर्क है।

☞ 31 मार्च, 2017 तक संपूर्ण मार्ग की लंबाई 67368 किमी. थी। जिनमें से 32.69 प्रतिशत रेल मार्ग दोहरीकृत या एकाधिक लाइन से युक्त हैं।

☞ इसके बेड़े में 11,122 इंजन, 53,101 यात्री गाड़ियां, 6,899 अन्य कोचिंग वाहन और 2,51,256 डिब्बे हैं।

☞ कुल मार्ग के लगभग 35.32 प्रतिशत, परिचलन मार्ग के 47.09 प्रतिशत और कुल पटरी मार्ग के 48.26 प्रतिशत का विद्युतीकरण किया जा चुका है। समूचा नेटवर्क 17 मंडलों में विभाजित है।

❑ अनुसंधान और विकास

☞ लखनऊ का अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (RDSO) भारतीय रेलवे की अनुसंधान और विकास शाखा है।

☞ यह तकनीकी मामलों में एक परामर्शदाता के रूप में कार्य करती है।

❑ रेलवे वित्त

☞ भारत सरकार के समग्र वित्तीय आंकड़ों का हिस्सा होने के बावजूद, वर्ष 1924 की पृथक्करण चलन के कारण वर्ष 1924-25 से रेल बजट संसद में अलग से पेश किया जाता रहा।

☞ सरकार ने वर्ष 2017-18 से रेल बजट को आम बजट में शामिल करने का फैसला किया।

संपूर्ण रेल मार्ग की लंबाई किलोमीटर में

वर्ष	बड़ी लाइन	मध्याम लाइन	छोटी लाइन	कुल लाइन
2014-15	58,825	4,908	2,297	**6,030**
2015-16	**60,510**	**3,880**	**2,297**	**6,687**
2016-17	**61,680**	**3,479**	**2,209**	**7,368**

दोहरीकृत/एकाधिक रेलवे लाइन		
	रेल मार्ग (किमी.)	रेल मार्ग में कुल हिस्सा % में (किमी.)
2014-15	**20,633**	**31.25**
2015-16	**21,237**	**31.85**
2016-17	**22,021**	**32.69**

☞ राजस्व उपार्जक प्रारंभिक टन भार वर्ष 1980-81 के 195.9 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2016-17 में 1106.15 मिलियन टन हो गया है, जबकि इसी अवधि के दौरान कुल प्रारंभिक माल यातायात 220 मिलियन टन से बढ़कर 1110.95 मिलियन टन हो गया है।

☞शुद्ध टन किलोमीटर के तौर पर ढोए गए माल यातायात में वर्ष 1980-81 की तुलना में 292 प्रतिशत (कुल यातायात - 620,858) की वृद्धि हुई है।

☞वर्ष 2016-17 में माल गाड़ी किमी. का जोड़ 391 मिलियन था, जो प्रतिदिन प्रति रनिंग रेलपथ किमी. औसतन 11.4 गाड़ी किलोमीटर था। माल डिब्बा किमी. 18,403 मिलियन था, जिसमें से 64.0 प्रतिशत लदान मात्रा थी।

मुख्य आंकड़े - 2016-17

1. रूट की लंबाई (किमी.)	बड़ी लाइन (1.676M)	61680
	मध्यम लाइन (1.000 M)	3479
	छोटी लाइन (0.762Mand0.610M)	2209
	कुल -	**67368**
2.दोहरीकृत और एकाधिक ट्रैक	बड़ी लाइन	22021
	मध्यम लाइन	
	कुल -	**22021**
3. विद्युतीकृत ट्रैक	बड़ी लाइन	25367
	मध्यम लाइन	
	कुल -	**25367**
4. रेलवे स्टेशनों की संख्या		7349
5. रेलवे पुलों की संख्या		44698
6. यातायात की मात्रा		
यात्री उद्गम	मिलियन (दस लाख)	8116
यात्री किमी.		1149835
उद्गम टन	मिलियन टन	1106.15
टन किमी.	मिलियन	620175
7. कर्मचारियों की संख्या	हजार	1308
8. राजस्व	मिलियन (रु.)	165292.20
9. खर्च	मिलियन (रु.)	159029.61
10. रेल के डिब्बे और इंजन		
	रेल इंजन	
	वाष्प	39
	डीजल	6023
	विद्युत	5399
	कुल -	**11461**
	यात्री गाड़ी	**64223**
	भाड़ा कार/ माल डिब्बा	**77987**

नोट - सभी आंकड़े वित्तीय वर्ष के अंत अर्थात 31 मार्च, 2017 के अनुसार अद्यतन हैं।

☞ माल यातायात से अर्जित राजस्व में सतत वृद्धि हुई, जो वर्ष 1980-81 के रु. 15,509 मिलियन से बढ़कर वर्ष 2016-17 में रु. 1,020,278 मिलियन हो गई।

☞ भारतीय रेल के राजस्व में निरंतर वृद्धि हुई है और यह वर्ष 2016-17 में रु. 1,652,922 मिलियन था।

☞ वर्ष 2015-16 की तुलना में वर्ष 2016-17 के दौरान परिसंपत्तियों में 10.25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसका वित्तीय मूल्य रु. 5376.70 बिलियन हो गया। अचल परिसंपत्तियां रु. 4290.66 बिलियन की थीं।

राज्यवार मार्ग किमी./चालू रेलपथ किमी./कुल रेलपथ किमी.

नीचे दी गई तालिका में वर्ष 2016-17 के अंत तक विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में रेलवे लाइनों का मार्ग किमी., चालू रेलपथ किमी. और कुल रेलपथ किमी. दर्शाया गया है।

राज्य/संघ शासित क्षेत्र	मार्ग किमी.	चालू रेलपथ किमी.	कुल रेलपथ किमी.
आंध्र प्रदेश	3,817	5,704	7,282
अरुणाचल प्रदेश	12	12	26
असम	2,440	2,552	3,450
बिहार	3,714	4,907	6,772
छत्तीसगढ़	1,216	2,032	2,800
दिल्ली	183	339	699
गोवा	69	69	98
गुजरात	5,258	6,321	7,746
हरियाणा	1,710	2,441	3,156
हिमाचल प्रदेश	296	301	358
जम्मू एवं कश्मीर	298	366	491
झारखंड	2,455	3,975	6,105
कर्नाटक	3,424	4,361	5,417
केरल	1,045	1,709	2,074
मध्य प्रदेश	5,113	7,662	9,491
महाराष्ट्र	5,784	8,303	11,188
मणिपुर	13	13	18
मेघालय	9	9	13
मिजोरम	**2**	**2**	**6**
नगालैंड	11	11	22
ओडिशा	2,598	3,972	5,157
पंजाब	2,269	2,744	3,603
राजस्थान	5,894	7,645	8,670
तमिलनाडु	4,028	5,358	6,606
तेलंगाना	1,823	2,545	3,146
त्रिपुरा	203	203	256
उत्तराखंड	340	400	465
उत्तर प्रदेश	**9,167**	**12,563**	**15,588**
पश्चिम बंगाल	4,139	7,345	10,612
संघ शासित क्षेत्र			
चंडीगढ़	16	16	66
पुडुचेरी	22	22	26
कुल	**67,368**	**93,902**	**1,21,407**

नोट - शेष राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में रेल लाइन नहीं है।

प्रारंभिक यात्री एवं औसत गमन दूरी

कुछ चुनिंदा वर्षों के लिए प्रारंभिक यात्रियों की संख्या और प्रत्येक यात्री द्वारा तय की गई औसत दूरी नीचे दी गई है-

प्रारंभिक यात्री (मिलियन)

वर्ष	उपनगरीय	अनुपनगरीय	जोड़
1980-81	2,000	1,613	3,613
2015-16	4,459	3,648	8,107
2016-17	**4,566**	**3,550**	**8,116**

प्रत्येक यात्री द्वारा तय की गई औसत दूरी (किमी.)

वर्ष	उपनगरीय	अनुपनगरीय	जोड़
1980-81	20.5	103.9	57.7
2015-16	32.6	273.5	141.0
2016-17	**31.8**	**283.0**	**141.7**

यात्री राजस्व (रु. मिलियन में)

वर्ष	उपनगरीय	अनुपनगरीय	जोड़
1980-81	905.2	7,369.5	8,274.7
2015-16	25,752.2	417,080.4	442,832.6
2016-17	**26,894.4**	**435,910.2**	**462,804.6**

पण्य-वार लदान

राजस्व-उपार्जक प्रारंभिक यातायात का पण्य-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है-

पण्य-वार प्रारंभिक टन भार (मिलियन)

थोक वस्तुएं	2015-16	2016-17
कोयला	**551.83**	**532.83**
लौह अयस्क	116.94	137.55
सीमेंट	105.35	103.21
खनिज तेल	43.24	42.42
खाद्यान्न	45.73	44.86
उर्वरक	52.23	48.34
लोहा एवं इस्पात	44.79	52.41
चूना पत्थर एवं डोलोमाइट	23.53	25.53
संगमरमर से भिन्न पत्थर (जिप्सम सहित)	15.04	11.09
जोड़	**998.68**	**998.24**
उपर्युक्त के अलावा पण्य	102.83	107.91
कुल जोड़	**1,101.51**	**1,106.15**

पण्य-वार शुद्ध टन किलोमीटर

शुद्ध टन किमी. का पण्य-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है-

पण्य-वार शुद्ध टन किमी. (बिलियन)

थोक वस्तुएं	2015-16	2016-17
कोयला	**280.70**	**249.62**
लौह अयस्क	32.42	39.74
सीमेंट	55.96	54.60
खनिज तेल	29.32	28.52
खाद्यान्न	60.13	57.81
उर्वरक	43.70	39.22
लोहा एवं इस्पात	40.44	44.03
चूना पत्थर एवं डोलोमाइट	13.06	12.91
संगमरमर से भिन्न पत्थर (जिप्सम सहित)	7.42	3.65
जोड़	**563.15**	**530.10**
उपर्युक्त के अलावा पण्य	91.33	90.08
कुल जोड़	**654.48**	**620.18**

पण्य-वार आमदनी

विभिन्न पण्यों से अर्जित राजस्व नीचे दिया गया है-

पण्य-वार राजस्व आमदनी (रु. मिलियन में)

थोक पण्य	2015-16	2016-17
कोयला	**493,497**	**452,286**
लौह अयस्क	68,963	81,759
सीमेंट	88,515	86,299
खनिज तेल	59,270	56,863
खाद्यान्न	77,543	75,058
उर्वरक	65,534	55,613
लोहा एवं इस्पात	71,823	76,722
चूना पत्थर एवं डोलोमाइट	22,552	21,457
संगमरमर से भिन्न पत्थर (जिप्सम सहित)	12,928	10,900
जोड़	**960,625**	**916,958**
उपर्युक्त के अलावा पण्य	108,781	103,320
कुल जोड़	**1,069,406**	**1,020,278**

चल स्टॉक : रेल इंजन

डिजलीकरण और विद्युतीकरण पर बढ़ती निर्भरता के कारण भारतीय रेलें भाप रेल इंजनों के अपने बेड़े में कमी करती आ रही हैं।

रेल इंजनों की संख्या

	बड़ी लाइन			मीटर लाइन			जोड़ (छोटी लाइन सहित)		
वर्ष	भाप	डीजल	बिजली	भाप	डीजल	बिजली	भाप	डीजल	बिजली
1980-81	4,361	1,866	1,016	2,763	470	20	7,469	2,403	1,036
2015-16	-	5,585	5,214	26	172	-	39	5,869	5,214
2016-17	-	5,757	5,399	26	147	-	39	6,023	5,399

सवारी डिब्बे

यात्रियों की बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए, सवारी डिब्बों और उनकी क्षमता में पिछले वर्षों में वृद्धि हुई है।

	ई.एम.यू. सवारी डिब्बे #		परंपरागत सवारी डिब्बे		अन्य सवारी डिब्बे कोचिंग
वर्ष	**संख्या**	**क्षमता +**	**संख्या @**	**क्षमता**	**वाहन $**
1980-81	2,625	5,00,607	27,478	16,95,127	8,230
2015-16	8,805*	15,78,868*	53,171*	37,94,954*	6,704*
2016-17	**9,125**	**16,46,880**	**53,483**	**39,37,039**	**6,714**

+ खड़े होने की जगह सहित, @ रेल कार सहित, $ सामान यान, मेल यान आदि सहित

डीईएमयू/डीएचएमयू सवारी डिब्बों की संख्या तथा उनकी क्षमता सहित, * संशोधित

2016-17	**9,125**	**16,46,880**	**53,483**	**39,37,039**	**6,714**

+ खड़े होने की जगह सहित, @ रेल कार सहित, $ सामान यान, मेल यान आदि सहित

डीईएमयू/डीएचएमयू सवारी डिब्बों की संख्या तथा उनकी क्षमता सहित, * संशोधित

विद्युतीकरण

भारतीय रेलों पर कुछ चुनिंदा वर्षों के दौरान किए गए विद्युतीकृत मार्ग की लंबाई इस प्रकार है-

वर्ष	**कुल मार्ग किमी.**	**विद्युतीकृत मार्ग किमी.**	**कुल मार्ग किमी. से विद्युतीकृत मार्ग का %**
1980-81	61,240	5,345	8.73
2015-16	66,687	23,555	35.32
2016-17	**67,368**	**25,367**	**37.65**

नोट : आंकड़े वार्षिक सांख्यिकी विवरण सं. 8 पर आधारित हैं।

रेलवे की उत्पादन इकाइयां

चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (CLW)	चितरंजन, पश्चिम बंगाल
डीजल लोकोमोटिव वर्क्स (DLW)	वाराणसी, उत्तर प्रदेश
इंटीग्रल कोच कारखाना (ICF)	चेन्नई, तमिलनाडु
रेल डिब्बा कारखाना (RCF)	कपूरथला, पंजाब
रेल पहिया कारखाना (RWF)	यहलंका, बंगलुरू
आधुनिक रेल कोच फैक्ट्री (MCF)	रायबरेली, उत्तर प्रदेश
डीजल रेल इंजन आधुनिकीकरण कारखाना	पटियाला, पंजाब
रेल पहिया कारखाना (संयंत्र)	बेला (सारण), बिहार

भारतीय रेलवे सिग्नल प्रणाली

☞ गाड़ी परिचालन में क्षमता और संरक्षा बढ़ाने के लिए परंपरागत बहु केबिन वाले यांत्रिक सिग्नल प्रणाली जिनमें बड़ी संख्या में मानवीय हस्तक्षेप शामिल होता है को बदल कर भारतीय रेल के बड़े आमान स्टेशनों के 5,584 स्टेशनों, बड़ी लाइन के लगभग 88 प्रतिशत पर रूट रिले/पैनल/इलेक्ट्रिकल अंतर्पाशन (पीआई/आरआरआई/ईआर) के साथ-साथ बहु-संकेती रंगीन रोशनी वाले सिग्नलों सहित आधुनिक सिग्नल प्रणाली की उत्तरोत्तर व्यवस्था की गई है।

दूरसंचार

☞ भारतीय रेल का विशाल दूरसंचार नेटवर्क है, जिसे प्रशासनिक/ परिचालनिक/ संरक्षा उद्देश्यों और विभिन्न ऑनलाइन सूचना प्रणाली के लिए ध्वनि एवं आंकड़ों के आदान-प्रदान की आवश्यकता को पूरा करने हेतु सतत् आवर्धित किया जा रहा है। ऑप्टिकल फाइबर केबल एवं क्वाड केबल आधारित संचार प्रणाली को प्रारंभ कर नेटवर्क की विश्वसनीयता में वृद्धि की जा रही है।

राइट्स लिमिटेड

☞ राइट्स लिमिटेड, आईएसओ-9001-2008 प्रमाणित अनुसूची 'ए' का मिनी रत्न उद्यम और परिवहन और अवसंरचना क्षेत्रों में एक बहुविभागीय परामर्शदात्री संगठन है जो रेलवे, शहरी परिवहन, राजमार्गों, पुलों, सुरंगों, पत्तनों, इनलैंड वाटरवे, एयरपोर्ट, रोपवे, संस्थागत इमारतों, नवीकरणीय ऊर्जा और चल स्टॉक के निर्यात पैकेजों तथा रेलवे से संबंधित उपकरणों में व्यापक सेवाएं मुहैया कराता है। इसे सार्क, आशियान, अफ्रीका, लैटिन

नई लाइन, गेज रूपांतरण और दोहरीकरण

मद	2009-14 का औसत	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	लक्ष्य 2018-19
नई लाइन	345.5	380	813	953	409	1000
गेज रूपांतरण	799.5	880	1042	1020	454	1000
दोहरीकरण	375	723	973	882	999	2100
कुल	1520	1983	2828	2855	1861.94	4100
औसत किमी./दिन	4.16	5.43	7.75	7.82	5.10	11.23

भारतीय रेलवे में रिक्तियां			
	स्वीकृत संख्या	कार्यरत	शेष रिक्तियां
समूह 'अ'	10,199	8,213	1,986
समूह 'ब'	5,619	5,233	386
समूह 'स' और तत्कालीन समूह 'घ'	14,52,897	12,32,760	2,20,137

अमेरिका और मिडिल ईस्ट क्षेत्र के 62 से अधिक देशों में 43 वर्षों का परिचालनिक अनुभव है।

पर्यटन

☞ भारतीय रेल, रेल के माध्यम से पूरे देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों को जोड़कर देश में पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रमुख संचालक है। इसके अलावा, देश के विभिन्न क्षेत्रों में लोकप्रिय टूरिस्ट सर्किटों पर टूरिस्ट ट्रेन/कोच जैसी सेवाएं चलाकर कई प्रयास किए हैं, जिनमें रेल यात्रा स्थानीय परिवहन, आवास, खान-पान जैसी ऑनबोर्ड सेवाएं, आयोजित टूअर इत्यादि जैसी ऑफबोर्ड सेवाओं की पेशकश की जाती है।

टूअर पैकेज देने वाली महत्वपूर्ण गाड़ी/कोच सेवाएं हैं-

(i) लग्जरी पर्यटन गाड़ियां- भारतीय रेल वर्ष 1982 से 'पैलेस ऑन व्हील्स' नामक लग्जरी पर्यटन गाड़ी चला रही है और पिछले कुछ वर्षों में इसी तरह की 4 और गाड़ियों अर्थात डेक्कन ओडिसी, गोल्डन चेरिएट, रॉयल राजस्थान ऑन व्हील्स और महाराजा एक्सप्रेस को चलाया गया है।

(ii) सेमी-लग्जरी पर्यटन गाड़ियां- भारत के धनाढ्य वर्ग और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की पर्यटन गाड़ी की मांग को पूरा करने और लग्जरी पर्यटक गाड़ियों और बजट पर्यटक गाड़ियों के बीच के अंतर को कम करने के लिए वर्ष 2015-16 में सेमी-लग्जरी गाड़ियां शुरू की गई थीं। वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा संचालित सर्किट थे- टाइगर ट्रेल (कान्हा और बांधवगढ़ नेशनल पार्क और भेढ़ाघाट को कवर करते हुए), उदयपुर-सिटी ऑफ लेक्स (माउंट आबू, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और अजमेर को कवर करते हुए), टाइगर एक्सप्रेस और सिटी ऑफ लेक्स-उदयपुर (उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और सवाई माधोपुर को कवर करते हुए)

भारतीय रेलवे में लग्जरी पर्यटन गाड़ियां - एक दृष्टि में

गाड़ी का नाम	गाड़ी की शुरुआत	पार्टनर	डिब्बों की सं.	परिचालन की अवधि	दिनों की सं.
महाराजा एक्सप्रेस	2010	IRCTC	23	सितंबर/अक्टूबर से अगले वर्ष मार्च/अप्रैल तक	7 रातें/8 दिन और 3 रातें/4 दिन
यात्रा मार्गक्रम 1. नई दिल्ली - आगरा - सवाई माधोपुर - जयपुर- बीकानेर - जोधपुर - उदयपुर - सेवालिया - मुंबई					
यात्रा मार्गक्रम 2. मुंबई-भुसावल-उदयपुर-जोधपुर-बीकानेर-जयपुर- सवाई माधोपुर-फतेहपुर सीकरी-आगरा-नई दिल्ली					
यात्रा मार्गक्रम 3. नई दिल्ली - जयपुर - सवाई माधोपुर - फतेहपुर सीकरी - आगरा - ग्वालियर - खजुराहो - वाराणसी - लखनऊ - नई दिल्ली					
यात्रा मार्गक्रम 4. नई दिल्ली - आगरा - सवाई माधोपुर - जयपुर नई दिल्ली					
पैलेस ऑन व्हील	1982	आईआरटी-डीसी/राजस्थान	22	सितंबर/अक्टूबर से अगले वर्ष मार्च/अप्रैल तक	7 रातें/ 8 दिन
यात्रा मार्गक्रम - नई दिल्ली - जयपुर - सवाई माधोपुर - चित्तौड़गढ़ - उदयपुर - जैसलमेर - जोधपुर -भरतपुर - आगरा - नई दिल्ली					
गोल्डन चेरिएट	2008	केएसटीडीसी /कर्नाटक	18	सितंबर/अक्टूबर से अगले वर्ष मार्च/अप्रैल तक	7 रातें/ 8 दिन
यात्रा मार्गक्रम 1. बंगलुरू-मैसूर-हासन-हॉस्पेट- बादामी- गोवा - बंगलुरू					
यात्रा मार्गक्रम 2. बंगलुरू - चेन्नई - पुडुचेरी - तंजावूर - मदुरै - त्रिवेंद्रम - एलेप्पी - एर्णाकुलम - बंगलुरू					
रॉयल राजस्थान ऑन व्हील्स	2009	आरटीडीसी /राजस्थान	22	सितंबर/अक्टूबर से अगले वर्ष मार्च/अप्रैल तक	7 रातें/ 8 दिन
यात्रा मार्गक्रम 1. नई दिल्ली - जोधपुर - उदयपुर - चित्तौड़गढ़ - सवाई माधोपुर - जयपुर - खजुराहो - वाराणसी - आगरा - नई दिल्ली					
यात्रा मार्गक्रम 2. नई दिल्ली- चित्तौड़गढ़ - उदयपुर - जयपुर - भरतपुर - आगरा - नई दिल्ली।					
यात्रा मार्गक्रम 3. नई दिल्ली-जयपुर-भरतपुर-आगरा-नई दिल्ली।					
डेक्कन ओडिसी	2004	एमटीडीसी	21	सितंबर/अक्टूबर से अगले वर्ष मार्च/अप्रैल तक	7 रातें/ 8 दिन सबसे कम
यात्रा मार्गक्रम 1. मुंबई - नासिक रोड/ देवलाली - औरंगाबाद/ दौलताबाद - पचोरो - कोल्हापुर - मडगांव - सावंतवाडी - मुंबई					
यात्रा मार्गक्रम 2. मुंबई - वड़ोदरा / विश्वामित्री - पालिताना - वेरावल - वीरमगाम - पाटन - नासिक रोड / देवलाली - मुंबई					
यात्रा मार्गक्रम 3. मुंबई - वड़ोदरा / विश्वामित्री - उदयपुर - जोधपुर - आगरा - सवाई माधोपुर - जयपुर - दिल्ली					
यात्रा मार्गक्रम 4. दिल्ली - सवाई माधोपुर - आगरा - जयपुर - उदयपुर - विश्वामित्री - औरंगाबाद - मुंबई					
यात्रा मार्गक्रम 5. मुंबई - बीजापुर - बागलकोट - हॉस्पेट - हैदराबाद - औरंगाबाद - पचोरा - मुंबई					
यात्रा मार्गक्रम 6. मुंबई - औरंगाबाद - रामटेक - वरोरा - पचोरा - नासिक रोड - मुंबई					

❑ भारतीय रेल : वर्तमान परिदृश्य

❑ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारतीय रेलवे के नए जोन की स्थापना को मंजूरी

☞ 28 फरवरी, 2019 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में भारतीय रेलवे के नए जोन की स्थापना को मंजूरी दी।

❑ IRCTC द्वारा हवाई यात्रा टिकट पर मुफ्त बीमा

☞ 9 जनवरी, 2019 को आईआरसीटीसी वेबसाइट से हवाई यात्रा टिकट बुक करने वाले यात्रियों को आईआरसीटीसी ने 50 लाख रुपये का यात्रा बीमा मुफ्त प्रदान करने की घोषणा की गई।

❑ वंदे भारत एक्सप्रेस

☞ 15 फरवरी, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'वंदे भारत एक्सप्रेस' (T18) को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

☞ यह ट्रेन दिल्ली और वाराणसी के बीच चलाई जा रही है।

❑ देश का पहला रेलवे विश्वविद्यालय राष्ट्र को समर्पित

☞ 15 दिसंबर, 2018 को केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल तथा गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपानी ने वड़ोदरा (गुजरात) में देश के पहले रेलवे विश्वविद्यालय 'राष्ट्रीय रेल एवं परिवहन संस्थान' (NRTI : National Rail and Transportation Institute) को राष्ट्र को समर्पित किया।

❑ 'बोगीबील सेतु' राष्ट्र को समर्पित

☞ 25 दिसंबर, 2018 को 'सुशासन दिवस' के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के सबसे लंबे रेल-सह-सड़क सेतु 'बोगीबील सेतु' को राष्ट्र को समर्पित किया।

☞ यह एशिया का दूसरा सबसे लंबा रेल-सड़क सेतु है।

❑ समानता एक्सप्रेस

☞ भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार डॉ. भीमराव अंबेडकर और गौतम बुद्ध से जुड़े प्रमुख स्थानों को कवर करने वाली एक विशेष पर्यटक ट्रेन 'समानता एक्सप्रेस' का जनवरी, 2019 में नागपुर से शुभारंभ किया गया।

❑ केलांग

☞ हिमाचल प्रदेश के केलांग में सुरंग के अंदर रेलवे स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। (अक्टूबर, 2018)

☞ देश में सुरंग के अंदर यह पहला रेलवे स्टेशन होगा।

❑ विश्व की पहली हाइड्रोजन चालित रेलगाड़ी

☞ सितंबर,2018 में जर्मनी के उत्तरी प्रांत लोवर सैक्सोनी में एल्स्टॉम कंपनी द्वारा निर्मित विश्व की पहली हाइड्रोजन चालित रेलगाड़ी 'कोराडिया आईलिंट' का व्यावसायिक परिचालन प्रारंभ।

❑ श्री रामायण एक्सप्रेस

☞ भारतीय रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) द्वारा 10 जुलाई, 2018 को 'श्री रामायण एक्सप्रेस' के नाम से विशेष पर्यटक ट्रेन चलाने की घोषणा की गई थी।

☞ यह ट्रेन भगवान राम के जीवन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण स्थानों की यात्रा 16 दिनों में कराएगी।

❑ विश्व का सबसे ऊंचा रेल पुल

☞ नवंबर, 2017 में भारतीय रेलवे द्वारा जम्मू और कश्मीर के रियासी (Reasi) जिले में चिनाब नदी पर निर्माणाधीन विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल के मुख्य मेहराब (Main Arch) के निर्माण का शुभारंभ किया गया। यह पुल कश्मीर घाटी को सीधे देश के अन्य भागों से जोड़ेगा।

☞ निर्मित होने के पश्चात चिनाब नदी पर बन रहा यह पुल विश्व का सबसे ऊंचा रेल पुल होगा।

❑ नागपुर मेट्रो रेल परियोजना

☞ 7 मार्च, 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली से वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से नागपुर मेट्रो रेल परियोजना का शुभारंभ किया।

❑ पटना मेट्रो रेल परियोजना

☞ 13 फरवरी, 2019 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पटना मेट्रो रेल परियोजना को मंजूरी प्रदान की गई।

❑ भोपाल एवं इंदौर मेट्रो रेल परियोजना

☞ 3 अक्टूबर, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'भोपाल एवं इंदौर मेट्रो रेल परियोजना' के कार्यान्वयन को मंजूरी प्रदान की।

❑ हैदराबाद मेट्रो रेल

☞ 24 सितंबर, 2018 को तेलंगाना के राज्यपाल ई.एस.एल. नरसिम्हन ने हैदराबाद मेट्रो के अमीरपेट से एल.बी. नगर के मध्य 16 किमी. लंबे मार्ग का उद्घाटन किया।

❑ भारत की पहली अंतर्जलीय मेट्रो रेलवे सुरंग

☞ भारत की पहली अंतर्जलीय मेट्रो रेलवे सुरंग पश्चिम बंगाल में हुगली नदी के नीचे बनकर तैयार हुई।

❑ कोच्चि मेट्रो का शुभारंभ

☞ 17 जून, 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'कोच्चि मेट्रो' के प्रथम चरण के प्रथम खंड का उद्घाटन किया।

❑ कोच्चि जल मेट्रो परियोजना

☞ कोच्चि जल मेट्रो परियोजना का शुभारंभ केरल के मुख्यमंत्री